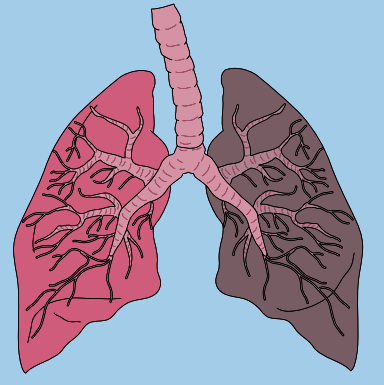


विश्व निमोनिया दिवस - बाल निमोनिया को समझें



01 बाल निमोनिया क्या है?

निमोनिया एक तीव्र श्वसन संक्रमण है जो फेफड़ों को प्रभावित करता है, जिससे बच्चों को सांस लेने में कठिनाई होती है। यह पाँच वर्ष से कम उम्र के बच्चों में मृत्यु के प्रमुख कारणों में से एक है, विशेषकर निम्न और मध्यम आय वाले देशों जैसे भारत में।

02 ध्यान देने योग्य लक्षण:

- तेज सांस या सास लेने में कठिनाई
- खांसी और सीने में दर्द
- बुखार और ठंड लगना
- भूख में कमी और सामान्य कमजोरी



03 यह चिंता का विषय क्यों है?

वैश्विक स्तर पर, निमोनिया हर साल पाँच वर्ष से कम उम्र के 7 लाख से अधिक बच्चों की जान लेता है, जिनमें से एक बड़ा हिस्सा भारत में है। यह मलेरिया और खसरे से होने वाली संयुक्त मृत्यु दर से भी अधिक बच्चों की जान लेता है, जो इसे सबसे घातक संक्रामक रोग बनाता है।

04 रोकथाम

- टीकाकरण: न्यूमोकोकल कॉन्जुगेट वैक्सीन (PCV), हीमोफिलस इन्फ्लुएंजा टाइप बी (Hib) वैक्सीन, और खसरा
- अच्छा पोषण
- प्रदूषकों के संपर्क से बचें



05 उपचार विकल्प:

- एंटीबायोटिक्स: बैक्टीरियल निमोनिया का शुरुआती निदान होने पर एंटीबायोटिक्स से प्रभावी रूप से इलाज किया जा सकता है। आमतौर पर उपयोग की जाने वाली एंटीबायोटिक्स में अमोक्सिसिलिन शामिल है।
- ऑक्सीजन थेरेपी: गंभीर मामलों में, विशेष रूप से जब सांस लेने में कठिनाई होती है, तो ऑक्सीजन थेरेपी की आवश्यकता हो सकती है।
- सहायक देखभाल: पुनः स्वस्थ होने में मदद के लिए भरपूर पानी पीना और आराम महत्वपूर्ण हैं।

06 फार्मासिस्ट की भूमिका:

एक फार्मासिस्ट के रूप में, आप निमोनिया को रोकने और प्रबंधित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं:

- माता-पिता को टीकाकरण और लक्षणों की जल्दी पहचान के महत्व के बारे में शिक्षित करना।
- एंटीबायोटिक्स के उचित उपयोग के बारे में जानकारी प्रदान करना और आत्म-चिकित्सा (सेल्फ-मेडिकेशन) को हतोत्साहित करना।
- धुएँ और घर के अंदर के प्रदूषण के जोखिम को कम करने के लिए मार्गदर्शन देना।

07 इस विश्व निमोनिया दिवस पर :

माता-पिता और देखभाल करने वालों को अपने बच्चों का टीकाकरण कराने और निमोनिया के लक्षण दिखने पर शीघ्र चिकित्सा सहायता प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करें। मिलकर, हम इस रोके जा सकने वाले रोग से बच्चों की जान बचाने और इसके प्रभाव को कम करने में मदद कर सकते हैं।